

শ্রীব্যাস-পূজার ঘোষণা

শ্রীল ভক্তিসুন্দর গোবিন্দ
দেবগোস্বামী মহারাজ
৪ঠা ডিসেম্বর ২০০৯

“উনি (ভক্তি নির্মল আচার্য মহারাজ) খুবই যোগ্য এবং আমি উনাকে শ্রীচৈতন্য-সারস্বত মঠের পরবর্তী আচার্য রূপে বেছে নিয়েছি। আপনারা সকলে মিলে মিশে তাঁর আনুগত্যে চলবেন, তাঁর আনুগত্যে থাকবেন, আর তাকে ভালোবাসবেন। তাঁর সবচেয়ে বড় গুণ হচ্ছে মঠকে ভালোবাসা। মঠের এক ইঞ্চি জমি, এক ইঞ্চি সম্পদ যেন বাহিরে না চলে যায়—আর সেইটা তিনি করে যাচ্ছেন। আমি এখন বলব তাকে আমার প্রতিনিধী হয় কিছু হরি কথা বলতে। তবে দশ মিনিটের বেশী বলবেন না। আমি আর বেশীক্ষণ বসতে পারব না। ... জয় শ্রীপাদ ভক্তিনির্মল আচার্য মহারাজ কী জয়! মঠ সেক্রেটারী, মঠ ম্যানেজার, ভবিষ্যৎ মঠাচার্য, শ্রীপাদ ভক্তিনির্মল আচার্য মহারাজ কী জয়! আপনারা সকলেই ওর অনুগত হয় চলবেন, আমার পরে। ভুলচুক সবারই হয়। কিন্তু ওর মত আন্তরিকতা খুব কম দেখেছি। প্রতি জিনিসের প্রতি ওর যে রকম স্নেহ এইটা দেখা যায় না। ভগবান্ ওকে ভালো করুক ওর মঙ্গল করুক”।

Заявление

Шрила Бхакти Сундар Говинда
Дев-Госвами Махарадж
Вьяса-Пуджа, 4 декабря 2009 г.

"Он (Бхакти Нирмал Ачарья Махарадж) высококвалифицирован, и я выбрал его следующим Ачарьей этого Матха. Вы все должны едино, сообща продолжать под его руководством, верно служить под его началом — и любить его. Его любовь к Матху — это его величайшее достоинство. Чтобы Матх не потерял ни сантиметра территории, даже ни сантиметра его собственности, — он постоянно работает для этой цели. Теперь же я прошу его как моего представителя провести хари-катху... [После речи Шрилы Ачарьи Махараджа Шрила Говинда Махарадж продолжил:] Секретарь Матха, управляющий Матха, будущий Ачарья Матха, Шрипад Бхакти Нирмал Ачарья Махарадж ки - джай! После меня вы все должны продолжать как его последователи. Все совершают ошибки, но я очень редко видел кого-либо с таким искренним, чистосердечным настроением служения, как у него. Такого вида глубокое видение и внимательную заботу, которая свойственна ему в каждом деле, нигде не увидишь. Я молюсь, чтобы Господь принес ему всё самое благое и благоприятное".